Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MV-CT-101

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, प्रथमसत्रम्

व्याकरणम्, प्रथम्पत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् - 1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. गौरित्यत्र कः शब्दः? भाष्यमनुसृत्य स्वशब्दैः निर्णयोविधेयः।
2. व्याकरणशब्दस्य कः पदार्थः? इति भाष्यसारं स्वशब्दैः विवृणुत।
3. शब्दस्य ज्ञानेधर्मः, आहोस्वित्प्रयोगे? यथाभाष्यं व्याख्याविधेया।
4. लृकारोपदेशः किमर्थः? भाष्यमनुसृत्य स्वशब्दैः व्याख्या कार्या।
5. 'हल्' इत्यत्रोपदिष्टोऽपि हकारः पुनरुपदिश्यते किमर्थः?

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. किमर्थो वर्णानामुपदेशः क्रियते?
7. 'आगमः' इति व्याकरणाध्ययनस्य कथं प्रयोजनम् अस्ति।
8. किमिमे वर्णा अर्थवन्तः, अनर्थका वा? भाष्यनिर्णयो लेखनीयः।
9. अकारस्य विवृतोपदेशे किं प्रयोजनम्?
10. शब्दानुशासनस्य कति प्रयोजनानि?
11. कतिभिः प्रकारैर्विद्योपयुक्ता भवति?
12. के पुनरयोगवाहाः? तेषां क्वोपदेशः कर्तव्यः।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MV-CT-102

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, प्रथमसत्रम्
व्याकरणम्, द्वितीयपत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् - 2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न धातुलोप आर्धधातुके।
2. मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः।
3. नाज्झलौ।
4. अदसो मात्।
5. आद्यन्तवदेकस्मिन्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. वृद्धिसंज्ञायां तत्भावितग्रहणस्य प्रयोजनं प्रतिपादनीयम्।
7. सवदिशप्रसङ्गश्चानिगन्तस्य इति वार्तिकस्य व्याख्या करणीया।
8. ईदूतौ - सप्तमीत्येव .....। इति श्लोकं व्याख्ययेम्।
9. उञ ऊँ इति सूत्रस्य व्याख्या विधेया।
10. ऋकारलृकायोः सवर्णविधिः इति वार्तिकं व्याख्ययेम्।
11. संयोगसज्ञायां सहवचनं यथाऽन्यत्र इत्यस्य व्याख्या कार्या।
12. इग्ग्रहणमात्सन्ध्यक्षरव्यञ्जननिवृत्तिकरणार्थं प्रतिपादनीयम्।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MV-CT-103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, प्रथमसत्रम्
व्याकरणम्, तृतीयपत्रम्
संस्कृतव्याकरणम् - 3

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "संज्ञोपसर्जनप्रतिषेधः" विस्तृतरूपेणास्य व्याख्या कार्या।
2. "षष्ठीस्थानेयोगा" अयं योगो भाष्यानुसारेण प्रतिपादनीयः।
3. कृन्मेजन्तः, इदं सूत्रं भाष्यरीत्या संक्षेपेण सुस्पष्टीकरणीयम्।
4. न वेति विभाषा, इत्यत्र का प्राप्तविभाषा तथा का उभयत्रविभाषाः?
5. 'इग्यणः सम्प्रासारणम्" अस्य न्यासस्य भाष्यमुल्लेखनीयम्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. विभाषा दिक्समासे बहुब्रीहौ, अस्य व्याख्या कार्या।
7. अव्ययीभावस्य अव्ययत्वे कानि प्रयोजनानि?
8. "स्थानेऽन्तरतमः" किमर्थं पुनरिदमुच्यते?
9. अलोऽन्त्यस्य, अस्य भाष्यं प्रतिपादनीयम्।
10. "अन्तरतमवचनं च" अस्य वार्त्तिकस्य व्याख्या क्रियताम्।
11. "निर्वृत्तप्रतिपत्तौ निर्वृत्तिः" अस्याभिप्रायः सुस्पष्टीक्रियताम्।
12. "भिदचोऽन्त्यात्परः" किमर्थमिदमुच्यते?

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MV-CT-104

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, प्रथमसत्रम्
व्याकरणम्, चतुर्थपत्रम्
संस्कृतव्याकरणम् – 4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "न लुमताङ्गस्य" अस्य भाष्यं संक्षेपेण वर्ण्यताम्।
2. "अणुदित्सवर्णस्य चाऽप्रत्ययः" इदं सूत्रं भाष्यानुसारेण व्याख्येयम्।
3. 'अलोऽन्त्यात्पूर्व उपधा, अस्य भाष्यं प्रतिपादनीयम्।
4. प्रत्ययलोपे प्रत्ययलक्षणम्, अयं योगः संक्षेपेण वर्णनीयः।
5. अनुत्पन्नं स्थान्यादेशत्वं नित्यत्वात्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. सामान्यातिदेशे हि विशेषानतिदेशः।
7. किं पुनरादेशिन्यल्याश्रीमाणे प्रतिषेधो सामान्येन?
8. आहि भुवोरीट् प्रतिषेधः।
9. अथ पूर्वविधाविति किमर्थम्?
10. अचः पूर्वविज्ञानादैचोः सिद्धम्।
11. अज् ग्रहणं ज्ञापकं तु रूपस्थानिवद्भावस्य।
12. तस्मिन्निनितिनिर्दिष्टे. तस्मादित्यु. किमर्थं पुनरिदमुच्यते?

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MV-AEC1-106

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December–2023

एम. ए. व्याकरण, प्रथमसत्रम्
योग, पंचमपत्रम्
योगचिकित्सा–1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. पक्षाघात, आंत्रवृद्धि, अनिद्रा, दन्तरोग तथा सोरायसिस रोगों के पथ्य-अपथ्य आहार क्या हैं?
2. कालीमिर्च, दालचीनी, धनिया, अदरख, शहद का रोगानुसार लाभ व विधि का वर्णन करें।
3. त्रिगुण विकार से उत्पन्न पाँच रोगों का आहार कल्प लिखें (मुख्य आहार, वैकल्पिक आहार, फल, शाक, पेय)
4. इंटीग्रेटेड पैथी से आप क्या समझते हैं? सविस्तार वर्णन करें।
5. मोटापा, मधुमेह व वृक्कविकार के लिए आसन, औषधि तथा विधि का महत्व समझाइए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. अश्वगंधा, शतावर, हरीतकी औषधियों का रोगानुसार प्रयोग क्या हैं?
7. थायरॉइड, साइनस तथा अस्थमा रोगों में औषधीय प्रयोग वर्णन करें।
8. ऑवला, करेला, नीम, गिलोय का शारीरिक प्रभाव व महत्व क्या हैं?
9. जल चिकित्सा तथा गोधन अर्क के महत्व को रोगानुसार समझाइए।
10. पेट सम्बन्धित किन्हीं तीन रोगों पर औषधीय प्रयोग लिखें।
11. सौंफ, मेथी तथा बेल का शारीरिक स्वास्थ्य में क्या महत्व है?
12. ऋतभुक्, हितभुक्, मितभुक् का सैद्धान्तिक वर्णन करें।

----------X----------